In the Name of LOVING GOD

अन्तर्ध्वनि
The Inner Voice

VOL. 54, 2016
FREE OF COST
FULL OF CARE

आत्मा की आवाज़

मिट्टी में मिलने से पहले
अपने से मिलने के लिए

The Voice of Soul

To feel the soul before
falling into the soil

इस दुनिया से धन तो छोड़ कर जाएँगे, किन्तु पाप कैसे छूटें?

How to experience "Best of Luck"?

क्या हम अपने ही शत्रु नहीं बन चुके हैं?

Oh God! How our life is controlled by others?

जिनको डर होता है
परलोक का,
उन का ही जीवन
सफल होता है
इस लोक का.

Turn to God before you return To God

Mission Happiness®

e-mail : contact@missionhappiness.in

www.facebook.com/antardhwani

Mission Consciousness®

visit us at www.missionhappiness.in

Campaign for feeling the

LIFE

before falling into death

ज़िन्दा रहते हुए
ज़िन्दगी से मुलाकात

आध्यात्मिक सामाजिक टी.वी. चैनल

॥ साधना ॥

पर every Sunday – 3:30 p.m.

D.V.D.'s of the telecast programmes are also available

खुशनसीबी के रंग *Mission Happiness* के संग

November, 2015 से telecast होना शुरू हो चुका है।

All India के अतिरिक्त 5 other countries में life के real purpose को जानकर, ज़िन्दगी और मौत के मिलन से पहले ही ज़िन्दगी का जश्न मनाने के नायाब नुस्खे share करना।

इतनी तेजी से समय गुजरता जा रहा है कि ज़िन्दगी की दुकान बन्द होने का समय कब आ जाए पता भी नहीं चलेगा।

जब रूह physical body में से निकलकर सूक्ष्म लोकों को प्रस्थान करेगी, तब मंज़र scene खतरनाक और दुखदायी न हो, इसका प्रबन्ध है – इस 30 minutes के music loaded programme में।

Life & Death के रहस्य scientific, simple and sensible manner में। Living being होते हुये भी non living machine की तरह भाग दौड़, जल्दबाज़ी में केवल काम पूरे करना और अपनी body and mind का torture करना, यही तो अपनी ज़िन्दगी का मज़ाक बनाना कहलाता है।

So, ज़िन्दगी से मज़ाक से ज़िन्दगी के मज़े की ओर

Life की film पूरी enjoy कर लें, इससे पहले कि physical body का आ जाए end,
Body, Mind and Soul की unity ही create कर सकती है high life का trend,
Egoistic and rigid minds को ultimately होना ही पड़ता है bend,
So life and death के secrets खोलने के लिए यही vision है सच्चा Friend.

आत्मा की चोरी

THE STOLEN SOUL

शुरू में तो काफी surprise होगा, यह पढ़कर, लेकिन ज़रा ध्यान और समझदारी से सोचने पर सद्बुद्धि तुरन्त बता देती है कि हमारी आत्मा, कब, कैसे चोरी हो गयी? पहले यह clear हो कि आत्मा है, हमारा original self, लेकिन आस-पास के atmosphere से, आत्मा रूपी दिव्य energy को मन की परतें ढक लेती हैं, जिससे आत्मा की energy हमारी बुद्धि और physical body की protection नहीं कर पाती और आस-पास की घटनाएँ और लोग हमारे मन को कमजोर करते चले जाते हैं, तथा हमारी life activities सुख के स्थान पर हमें दुख देने लगती हैं। इसी को आत्मा की चोरी stealing of the soul कह सकते हैं।

Signs of आत्मा की चोरी–

(a) Self Confidence, आत्मविश्वास का कम हो जाना।

(b) Insecurity increases, धन और तन का नुकसान न हो जाए, डर बढ़ता जाता है।

(c) Greed, लालच बढ़ता जाता है।

(d) जीवन का उद्देश्य – शान्ति और पवित्रता, यह पीछे छूट जाता है।

(e) अपने और परिवार वालों सहित दूसरों से relations कमज़ोर होने लगते हैं।

(f) Body की मौत होती है, मन व आत्मा की नहीं, इस सत्य से भी दूर हो जाते हैं। आत्मा की चोरी की F.I.R. तुरन्त लिखवाएँ – ईश्वर (सत्य, ईमानदारी) के थाने में। बुद्धिरूपी inspector पूरी जाँच करके, कुमन को सुमन में transform करने लगता है और जीवन में आत्मा की वापसी होने लगती है–

self dependence, self confidence, self knowledge, self respect, self realisation की form में।

यह पढ़ने से कहीं ज्यादा सोचने और समझने का subject है।

Life में जब अशान्ति, गुस्सा, लालच और अंहकार होने लगता है feel, इससे clear होने लगता है कि हमारी पवित्र आत्मा हो चुकी है steal, Since, body की तरह soul को भी चाहिए, atleast पाँच वक्त का meal, So ईश्वरणीय स्मरण की निरन्तर खुराक से प्रकट होने लगती है आत्मा की zeal, इसलिए 'न बेचें अपनी आत्मा', parents की अपनी सन्तानों, से यही होती है appeal.

ईश्वर के वास्ते, उलटे रास्ते?

Praying to God but Punishing the Poor?

पैसा

जी हाँ! ज़रा सोचिये तो सही,

समझिए तो सही,

तभी हँसी भी आएगी और रोना भी।

बीमारियाँ क्यों?

दुख तकलीफें क्यों?

कलह क्लेश क्यों?

Simple, because the God, which is the operational force behind this visible world, is being grossly misunderstood misrepresented and leading to misdeeds.

- ईश्वर का नियम है, सीधे सच्चे रहो! चालाकी बिल्कुल नहीं चलेगी। पर नहीं जी, आजकल सीधे सच्चों का time कहाँ? चालाकी तो ज़रूरी है – successful होने के लिए!
- ईश्वर का नियम है, अन्दर बाहर से एक रहो, बहरूपियापन सुख नहीं दे सकता.....!

  न जी न when others are cheating, how can we remain silent?

दूसरे करें बेइमानी तो हम ईमानदार कैसे रह सकते हैं?

जैसे को तैसा कर के ही छोड़ेंगे!

- ईश्वर का नियम है – दूसरों को दुख देकर खुश नहीं रह सकते। वाह साहब, वाह!! हमें तो धन कमाना है। Everything is fair in love and war. जंग छिड़ी हुई है। Competition का ज़माना है। बीमार, गरीब पिसते हैं तो पिसें! हमें तो अपने expenses पूरे करने हैं। Sick and Poor अपने कर्मों के फल भोग रहे हैं, इसमें हमारा क्या कसूर है?
- ईश्वर का नियम है – दूसरों के बुरे वक्त में उनके साथ बुरा व्यवहार करोगे तो यही कसूर – नासूर बनने वाला है। अजी हाँ! कल किसने देखा है? जो होगा देखा जाएगा।
- गीता, कुरान, बाइबल, गुरू ग्रन्थ साहिब, एक ही आवाज़ में ज़ोर ज़ोर से, बार बार कह रहे हैं –

  भाई! इस लोक के साथ life का end नहीं होने वाला, परलोक इस body की limited eyes से बस नजर ही तो नहीं आ रहा! है तो सही। बचोगे कैसे?
- But the voice of all sane elements, scriptures are getting drowned in the noise of ego, greed, cheating and falsehood.
- हिन्दू, इस्लाम, ईसाई, सिख, हम सभी अपने-अपने धर्मों को traditions, रीति रिवाज़ों को तो मानेगें, लेकिन उनकी नीति पर नहीं चलेंगे।

ईश्वर तो स्वीकार किन्तु उसके नियमों का तिरस्कार?

Planning for Heaven but Preparing for Hell?

- अपने-अपने धर्म मार्ग का सम्मान हम ही कम करेंगे।
- अपने-अपने इष्ट देवों, पैगम्बरों, गुरुओं को सुख और शान्ति का नहीं, दुख और अशान्ति की vibrations भेजेंगे। क्योंकि सभी ऐसा कर रहे हैं। Fashion को follow करेंगे - Fairness को नहीं।

RESULTS :

- Lawlessness, अराजकता, दुख, और, revengeful atmosphere से लड़ते-लड़ते अपने से और दूसरों से, अचानक खबर आ जाती है - इनका आकस्मिक निधन हो गया। सदा-सदा के लिए चले गये - सज़ा पाते हुए और सज़ा पाने के लिए।
- अनन्तकाल तक, अनन्तकाल की अशान्ति, consigned to the fire for eternity.

पवित्रता

RESOLUTIONS :

- पैसा कमाना बहुत अच्छा किन्तु - आत्मा की पवित्रता गँवाए बिना।
- Honesty से money earning ज्यादा easy है, क्योंकि इससे competition अपने आप collapse होने लगता है।
- Dishonesty के फल भोगते समय सभी हमारा साथ छोड़ कर भाग जाएँगे, इसको कभी नहीं भूलें।

पढ़े-लिखे सभ्य, सफल, प्रतिष्ठित, समाज के elite वर्ग से ही ईश्वर आशा करता है कि अपने और ईश्वर के साथ नासमझी का व्यवहार बन्द करें।

दुनिया का तो डर, पर दुनिया चलाने वाले का नहीं रहा कोई **fear,**
That's why, सरलता और सच्चाई से सफल होने का **path** नहीं हो रहा **clear,**
धन और बुद्धि के होते हुए भी **tension** को करना पड़ रहा है **bear,**
जबकि **physical body** की **death** का **day** तेज़ी से आता जा रहा है **near,**
so, अब भी तुरन्त माँग लें माफी-**mercy,** तभी तो हम बन पाएँगे **God** के **dear.**

Is it clear ?

How to enjoy life and prepare for death (of body only)

DIVINE LIFE SYMPOSIUMS

at schools, colleges, offices, jails, media centres. No Charges - Only Enthusiastic Participation

Contact : 9837032053, 9536824265

MENTAL POLIO
मजबूर मन

Physical body के polio को, जिससे चाल में टेढ़ापन आ जाता है, समाप्त करने के लिए W.H.O. हो या Rotary International या सरकारें, पूरा धन और ध्यान लगा रहे हैं। लेकिन mental polio जिससे चलन, behaviour ही बिगड़ जाता है , उस पर किसी का ध्यान ही नहीं जा रहा है। जबकि mental polio, physical polio से many times ज़्यादा खतरनाक और तकलीफ देने वाला है।

कैसे होता है – mind polio? अंहकार और अंधकार के virus के symptoms लक्षण क्या होते हैं ?

1. शरीर की मौत को भूलकर अपने को इस धरती का permanent resident समझना।
2. Body के end को ignore करके, स्वार्थ के जाल में फँस जाना।
3. पैसा कमाने की अग्नि में, अपने सुख शान्ति की बलि चढ़ा देना।
4. अपने और अपनों को mistreat करते हुए, पाप, negative energy बढ़ाते जाना।
5. अपने सुधार पर कम और दूसरों पर ज्यादा ध्यान देने लगना।
6. दया दान के स्थान पर दवा दारू पर धन खर्च होने लगना।
7. जल्दबाजी ज्यादा और जज़्बात कम होते जाना।

नतीजा – भागते दौड़ते बीमारीग्रस्त शरीर छोड़कर, अशान्त मन आत्मा का परलोक चले जाना।

Treatment - इलाज

First priority - Honesty & Health, तब अपने आप आएगी Money & Wealth

जब सोच टेढ़ी होने लगे, तब समझें, होने लगा है, घातक **polio of mind,**
ऐसे व्यक्ति नहीं रह पाते अपने और दूसरों के प्रति, संवेदनशील और **kind,**
इलाज में देर नहीं होनी चाहिए, यदि अपनी **weakness** को कर लिया है **find,**
परलोक सिधारने से पहले मन को सुधार लें, **God** तो **continuously** करवा रहे हैं **remind.**

Mission Happiness की Inside Story

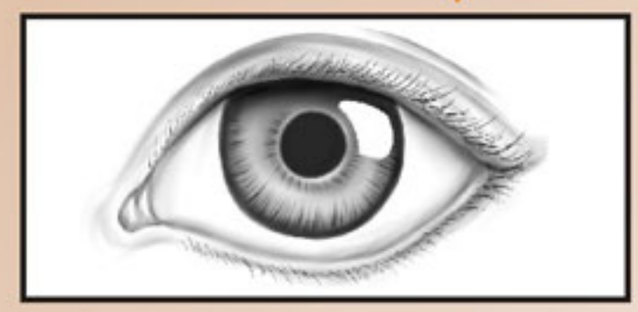

Perception दृष्टिकोण और उद्देश्य : अपनी और सबकी आत्मा को purify करके ही इस physical world से astral world सूक्ष्म जगत में जाना।

Sale के लिए soul का समझौता कभी नहीं।

Path - Patients First : Poor and मजबूर patients को उनके कष्ट के दिनों में high quality products with lowest possible prices से protect करते हुए, doctors और chemists को life के higher aim remind करवाते हुए, पापों से बचाना और पुण्य earn करने में help करना।

Power : Quality and price of products से compromise न करने के कारण, virtues, गुणों के base पर, doctors से honesty के base पर prescription पाना, न कि माँगना, और genuine earned profit को society में soul purification, रूह की हिफ़ाज़त करते हुए, इस लोक और परलोक के लिए शांति का प्रचार और प्रसार करना। As a result doctors भी अपने personal and family use के लिए Mission Happiness के Divine products को preference देते हैं।

Progress : In a competitive and not so clean atmosphere, sustaining and growing for the last 30 years is not a small achievement. Secondly, spreading the message of purity of soul, मन और आत्मा की सफाई के reminders, T.V. Channels, High Courts, आकाशवाणी, दूरदर्शन, Tribune, पंजाब केसरी, दैनिक भास्कर, अमर उजाला, दैनिक जागरण, school colleges, jails आदि के माध्यम से society को जगााना, God की grace से।

Purity : Products की purity के साथ- साथ Mission Happiness के सभी members को सच्चा और अच्छा इन्सान बनने की training& atmosphere प्रदान कर पा रहा है, ईश्वरीय कृपा से। ऐसा नहीं कि company की sale बढ़ाने के लालच में अनेक प्राणियों की आत्मा व मन मैले कर दिए जाएँ। हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, सभी धर्म मार्गों की सच्ची व सीधी शिक्षाओं को society में सरलता से सामने रखते हुए, पवित्रता का प्रसार प्रभु करवा रहे हैं।

यही है एक पंथ - दो काज

This Life – Success is Sure • Next Life – Safe and Pure

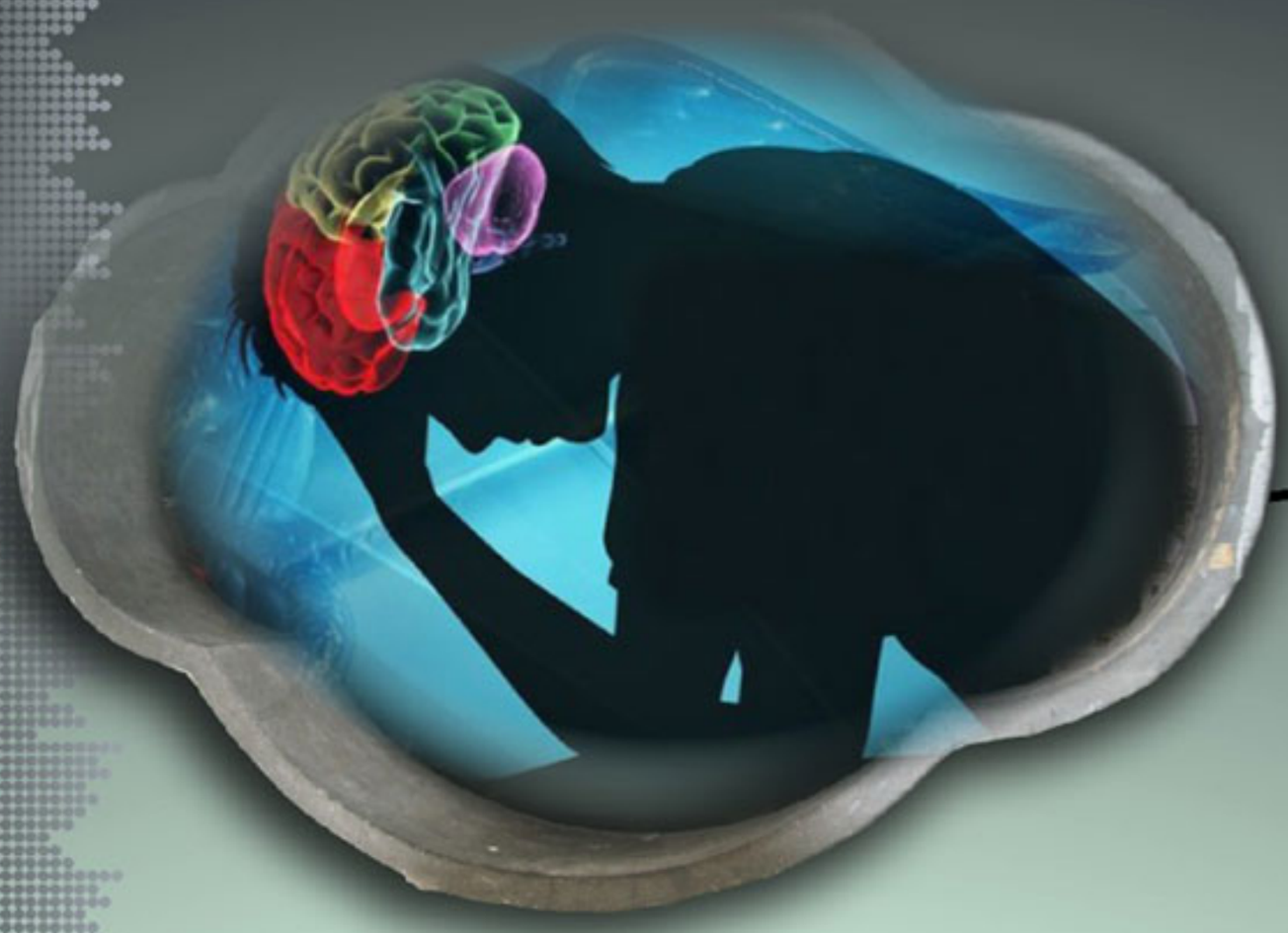

हमारे तन का दुश्मन 'हमारा मन'

एक पुरानी कहावत है, घर का भेदी लंका ढावे। आज की तारीख में शरीर की बीमारियाँ बढ़ती जा रही है। Hospitals खचाखच भरे जा रहे हैं। Accidents और घरेलू violence भी अपना graph ऊपर करने में लगे हैं। बूढ़े तो क्या बच्चे और जवान भी, जरा सा climate change होने से fever, common cold, allergy आदि से ग्रस्त हो जाते हैं। Skin diseases, cancer बढ़ते जा रहे हैं। जो तम्बाकू नहीं खाते, उन्हें भी mouth और intestine के cancer होते जा रहे हैं। अनेक diseases and disorders का reason, medical specialists भी खोजने में असफल हैं।

जहाँ ध्यान नहीं दिया जा रहा है, वह है - हमारे मन का बीमार होना। बीमार मन से ही negative & distorted electromagnetic waves, body के immune system, प्रतिरोधक क्षमता को कम कर देती हैं, जिससे विभिन्न organs जैसे - heart, liver, kidney, brain इत्यादि की performance weak होती जाती है। Virus, bacteria इत्यादि भी तुरन्त अपना प्रभाव दिखाते हुए, infections and diseases develop करने में देर नहीं लगाते।

Science में mental health को DIANETICS कहते हैं। यह बहुत गहरा और विराट subject है। **मन को healthy रखने के लिए ज्ञान और भक्ति की निरन्तर जरूरत होती है। Music इसमें विशेष role play कर सकती है।** Ego और anger के कम होते ही मन की health अच्छी होने लगती है और body अपने आप safe होती चली जाती है।

Mind, body का master होता है, अतः मन साफ, तो body के कष्ट माफ।

So we should create divine, good thoughts in our mind, which generate pious feelings and these pure feelings act as healers of the body organs.

जब हम अपने mind में Divine feelings को करने लगते हैं generate,
तभी body की healing process भी होने लगती है accelerate,
एक healthy and happy life का ही तो हम लेकर आए थे Divine mandate,
So, regular God remembrance ही holistic life को कर सकती है facilitate.

Published by MISSION HAPPINESS. Ph. : 9837032053
e-mail : contact@missionhappiness.in website : www.missionhappiness.in